

वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार की अधिसूचना 2006 यथा संशोधित 2009 के प्राविधानों के अन्तर्गत मै0 गोल्डन इन्फ्राकोन प्रा0लि0 प्लाट सं0 01 फेस-2 इन्टीग्रेटेड इण्डस्ट्रीयल स्टेट सिडकुल सितारगंज के स्थापनार्थ प्रातः 11.00 बजे अपर जिलाधिकारी (नजूल) जिला उधमसिंह नगर की अध्यक्षता में आहूत लोक सुनवाई का कार्यवृत्त।

सरकार द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 के प्राविधानों के अन्तर्गत अधिसूचित, अधिसूचना 14 सितम्बर 2006 के अनुसार मै0 गोल्डन इन्फ्राकोन प्रा0लि0 प्लाट सं0 01 फेस-2 इन्टीग्रेटेड इण्डस्ट्रीयल स्टेट सिडकुल सितारगंज के स्थापनार्थ प्रस्ताव जिसमें उद्योग की उत्पादन क्षमता 150 कि0ली0 प्रतिदिन ग्रेन/स्टार्च आधारित या 50 कि0ली0 प्रतिदिन मोलासिस आधारित ईएनए एकस्ट्रा नेचुरल एल्कोहल क्षमता हेतु पर्यावरणीय दृष्टिकोण से लोक सुनवाई दिनांक 15.10.14 को अपर जिलाधिकारी (नजूल) जिला : (उधमसिंह नगर) की अध्यक्षता में प्रातः 11 बजे से प्रारम्भ की गयी। सुनवाई स्थल पूर्व में उद्योग का सिडकुल का आंबटित प्रस्तावित स्थल था, किन्तु दिनांक 14.10.14 से दिनांक 15.10.14 तक क्षेत्र में भारी बरसात होने के कारण सुनवाई प्रस्तावित स्थल के समीप सिडकुल क्षेत्र में स्थित एवरग्रीन होटल में निर्धारित समय से करायी गयी तथा पूर्व स्थल पर वाहन की व्यवस्था कर जो व्यक्ति वहां पहुंचे थे, उनको नये स्थल पर लाने की व्यवस्था भी की गयी, सुनवाई का कार्यवृत्त निम्नवत है।

1. एस0पी0 सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी(प्र0), उत्तराखण्ड पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड काशीपुर द्वारा अपर जिलाधिकारी महोदय तथा सुनवाई हेतु आये हुये गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुये अपर जिलाधिकारी से सुनवाई आरम्भ करने की अनुमति ली गयी तथा सुनवाई के उद्देश्यों से अवगत कराया गया। क्षेत्रीय कार्यालय कार्मिकों द्वारा उपस्थित जनसमूह की उपस्थिति दर्ज की गयी।
2. अपर जिलाधिकारी (नजूल) उधमसिंह नगर, श्री आशीष भट्गाई द्वारा लोक सुनवाई के दौरान उपस्थित जन समूह से सुनवाई में अपनी टीका-टिप्पणी/सुझाव व आपत्तियों से अवगत कराने के आग्रह के साथ सुनवाई आरम्भ करायी गयी।
3. श्री प्रवीन भार्गव उद्योग के तकनीकी सलाहकार द्वारा वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार में उद्योग द्वारा जमा की गयी ई0आई0ए0 तथा एजिक्यूटिव समरी के परिप्रेक्ष्य में उद्योग के प्रस्ताव पर विस्तार से तकनीकी विवरण, पर्यावरण-सुधार, सामुदायिक कल्याण एवं ग्रामीण विकास व जल, वायु, ध्वनि प्रदूषण हेतु अपनायी गयी व्यवस्थाओं को जन समूह के समक्ष प्रदर्शित किया गया। उन्होने अवगत कराया कि इस उद्योग में विद्युत 3 मेगावाट लगेगा। उद्योग अपने यहाँ पावर प्लान्ट लगाकर 6.5 मेगावाट विद्युत बनायेगा। अतः उद्योग की विद्युत आवश्यकता स्वयं के पावर प्लान्ट से ही पूरी हो जायेगी। उद्योग में 50 TPH तथा 15 TPH के दो ब्वायलर पर 60 मी0 ऊँची चिमनी स्थापित की जायेगी एवं चिमनी पर वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु ईएसपी स्थापित किया जायेगा। उद्योग में ईंधन के रूप में Rice Husk/Coal का

25

प्रयोग किया जायेगा। उद्योग में दो डीजी सेट 500 क्वीए क्षमता स्थापित किया जाना प्रस्तावित, हेतु जिसमें ईंधन डीजल प्रयोग होगा एवं यह डीजी सेट ईको फ्रेंडली व साउन्डप्रूफ होंगे। उद्योग जीरो डिस्चार्ज वेस्ड है। औद्योगिक प्रक्रियाओं में प्रयुक्त होने वाला जल सिडकुल सप्लाई करेगा। उद्योग बोरवेल से पानी नहीं लेगा बल्कि रेन हार्वेस्टिंग के माध्यम से रिचार्ज करेगा। उद्योग प्रदूषण नियंत्रण हेतु आधुनिक तकनीक पर आधारित उत्प्रवाह शुद्धिकरण संयंत्र तथा वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था स्थापित करेगा। इसके उपरान्त उपस्थित जनसमूह से प्रस्ताव के संबंध में आपत्तियाँ, सुझाव, व टीका टिप्पणी, मौखिक अथवा लिखित रूप में देने का आह्वान किया गया।

1. श्री मुकेश सनवाल पंचायत सदस्य ग्राम सिसोना ने जानना चाहा कि उद्योग लगने से क्षेत्र का भूगर्भीय जल तो प्रदूषित नहीं होगा एवं उद्योग में जल खपत से भूजल स्तर पर क्या प्रभाव पड़ेगा। क्षेत्र के निवासियों को उद्योग लगने से क्या लाभ होगा। उद्योग प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया कि उद्योग में जल की आपूर्ति सिडकुल से होगी। उद्योग कोई बोरवेल नहीं लगायेगा, बल्कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग से जल को भूगर्भ में रिचार्ज करेगा जिससे भूगर्भ जल स्तर में बढ़ोत्तरी ही होगी। उद्योग जीरो डिस्चार्ज वेस्ड है किसी प्रकार का प्रदूषित उत्प्रवाह परिसर से बाहर डिस्चार्ज नहीं होगा। उद्योग स्थापित होने से भूजल स्तर पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा बल्कि उद्योग स्थापित होने से क्षेत्र निवासियों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। वर्तमान में उद्योग में 120 कुशल-अकुशल कार्मिकों को रोजगार मिलेगा।
2. श्रीमती जया जोशी, राज्य आन्दोलनकारी, परिषद सदस्य, ग्राम सिसोना ने इस उद्योग स्थापना का स्वागत करते हुये कहा कि महिलाओं को भी रोजगार मिलना चाहिये। उन्होने कहा कि सिडकुल उद्योगों के लगने से प्रदूषण होता है, उद्योगों को प्रदूषण को रोकने के लिए भी उपाय करने चाहिये तथा क्षेत्र के लोगों को रोजगार के लिए इसके लिए व्यवस्था करनी चाहिये उन्होने कहा कि सिसोना गांव में गरीब बच्चों के लिए वह एक स्कूल चला रही है। उद्योगी स्कूल को आर्थिक सहायता देकर क्षेत्र के गरीब बच्चों की पढाई में सहायक हो सकते हैं। उद्योग प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया कि उद्योग में जल/वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुये ईटीपी की स्थापना की जायेगी। उद्योग के ब्यालर पर स्थापित चिमनी पर इएसपी स्थापित किया जायेगा, जिससे जल/वायु प्रदूषण मानकों के अनुरूप नियंत्रित होगा। क्षेत्र के सामाजिक विकास के लिए उद्योग की परियोजना में बजट निर्धारित है जिससे क्षेत्र में सामाजिक विकास कार्य किये जायेगे जैसा कि स्लाइड शो में भी अवगत कराया गया है।
3. श्री भुवन चन्द्र भट्ट, सामाजिक कार्यकर्ता, आईटीआई सितारगंज ने सिडकुल सितारगंज में उद्योग आने का स्वागत करते हुये कहा कि उद्योग लगने से स्वाभाविक रूप से क्षेत्र का विकास होता है। लोगों को रोजगार मिलता है। परन्तु उद्योग कुशल-अकुशल श्रमिकों की बात कहकर क्षेत्र के युवाओं की उपेक्षा करते हैं जबकि उद्योगों को चाहिये कि क्षेत्र के बेरोजगारों को यदि वह प्रशिक्षित नहीं है तो उन्हें प्रशिक्षण देकर उद्योग में रोजगार देना चाहिये। उत्तराखण्ड सरकार के शासनादेश के अनुसार 70प्रतिशत क्षेत्र के लोगों को रोजगार दिया जाना चाहिये। उद्योग में ठेकेदारी प्रथा समाप्त होनी चाहिये क्योंकि ठेकेदारों द्वारा

श्रमिकों को कम मजदूरी दी जाती है एवं ज्यादा समय तक काम लिया जाता है। यातायात भी स्थानीय ट्रांसपोर्टर से नहीं कराया जाता है। उद्योग प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया कि उनका प्रबन्ध तन्त्र उत्तराखण्ड सरकार के शासनादेशों का पालन करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा एवं क्षेत्र के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार देने का प्रयास करेगा। उद्योग का प्रयास रहेगा कि क्षेत्र के अधिक से अधिक रोजगार मिले। यदि उद्योग में प्रयोग होने वाला कच्चा माल यहाँ पर मिल जाये तो उद्योग को क़य करने में कोई आपत्ति नहीं होगी क्योंकि उद्योग का तो माल भाड़ा बचेगा तथा ट्रांसपोर्टेशन में भी बचत होगी।

4. श्री राजेन्द्र ग्रव्याल, ग्राम ग्रव्याल कल्याणपुर, द्वारा आशंका व्यक्त की गयी कि उनका गांव उद्योग परिसर से मात्र आधा किमी० पडता है उद्योग लगने से सबसे अधिक प्रभावित उनका गांव होगा। उद्योग के रेडिएशन से प्रदूषण का प्रभाव रोकने के लिए उद्योग द्वारा क्या प्रावधान किये गये हैं। उद्योग प्रतिनिधि ने अवगत कराया जैसा कि स्लाइड शो के माध्यम से उद्योग के तकनीकी सलाहकार द्वारा दिखाया जा चुका है कि उद्योग अपने संयंत्र के लिए विद्युत की व्यवस्था अपने यहां पर पावर प्लान्ट लगाकर पूरी करेगा। उद्योग जीरो डिस्चार्ज वेस्ड है किसी प्रकार का प्रदूषित जल उद्योग उद्योग परिसर से बाहर नहीं निकाला जायेगा। उद्योग के अन्दर प्रदूषित जल के उपचार हेतु ईटीपी की स्थापना की जायेगी। उद्योग में विद्युत की खपत अपने यहाँ के वेस्ट से उत्पादित की जायेगी। व्वायलर पर स्थापित चिमनी पर वायु प्रदूषण रोकथाम के लिए ईएसपी की स्थापना की जायेगी। उद्योग की औद्योगिक प्रक्रियाओं से रेडिएशन की कोई सम्भावना नहीं है।
5. नारायण सिंह धामी, ग्राम कल्याणपुर, ने कहा कि यद्यपि उत्तराखण्ड शासन ने 70 प्रतिशत रोजगार क्षेत्र के लोगों को देने के लिए शासनादेश किया है परन्तु देखा गया है कि इसका पालन नहीं किया जाता है। उन्होंने क्षेत्र के लोगों को अधिक से अधिक रोजगार देने की माँग की तथा क्षेत्र के गरीब श्रेणी के बच्चों को पढाई कराने के लिए भी उद्योगों को आगे आने की आवश्यकता बतायी। उद्योग प्रतिनिधि ने कहा कि जैसे कि पूर्व में अवगत कराया जा चुका है कि उनका उद्योग क्षेत्र के लोगों को अधिक से अधिक लोगों को रोजगार देने का प्रयास करेगा। उद्योग लगने से क्षेत्र के लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। उद्योग क्षेत्र में समय समय पर सामाजिक उत्थान के लिए कल्याणकारी योजनाये चलायेगा। जिसमें साफ सफाई कराना, मेडिकल सुविधा देना आदि होगा।
6. श्री पूरन सिंह रावत, एडवोकेड, ने उद्योग लगाने का स्वागत किया कि यह सिडकुल क्षेत्र के लिए अच्छी बात है परन्तु क्षेत्र के लोगों को रोजगार भी देना चाहिये। अन्य माध्यम से भी जैसे ट्रांसपोर्टेशन, कच्चे माल के आपूर्ति में भी क्षेत्रवासियों को भागीदार बनाना चाहिये। उद्योग प्रतिनिधि ने कहा कि उद्योग का प्रयास रहेगा कि क्षेत्र के अधिक से अधिक रोजगार मिले। यदि उद्योग में प्रयोग होने वाला कच्चा माल यहाँ पर मिल जाये तो उद्योग को क़य करने में कोई आपत्ति नहीं होगी क्योंकि इससे उद्योग का माल भाड़ा बचेगा तथा ट्रांसपोर्टेशन में सुविधा होगी।

7. श्री राकेश ग्राम निर्मलनगर, शक्तिफार्म, ने कहा कि सिडकुल के उद्योगों द्वारा अपने यहां बोरवेल से पानी निकाला जाता है जिससे भूमिजल स्तर नीचे हो जाता है यहाँ पर किसानों को कठनाई का सामना करना पड़ता है। उद्योग प्रतिनिधि ने कहा कि जैसा कि पूर्व में अवगत कराया गया है कि उनका उद्योग कोई बोरवेल नहीं लगायेगा बल्कि उद्योग के लिए पानी की सप्लाई सिडकुल से लेगा। उद्योग वर्षा जल के लिए रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम लगा कर वर्षा जल को भूमि के अन्दर डिस्चार्ज करेगा जिससे भूमि जल स्तर में सुधार ही होगा।
8. श्री आदेश ठाकुर, जिलाध्यक्ष बीजेपी, सितारगंज, ने कहा कि उद्योग में मजदूरों का शोषण होता है, सुरक्षा की भी उचित व्यवस्था नहीं की जाती है। उनसे कम मजदूरी पर ज्यादा समय काम लिया जाता है। उद्योग की इस संबंध में क्या नीति रहेगी। उद्योग प्रतिनिधि ने कहा कि उनका उद्योग न्यूनतम मजदूरी के लिए सरकारी नियमों का पालन करेगा एवं मजदूरों से 8 घण्टे डियूटी ली जायेगी। फ़ैक्ट्री एक्ट के नियमों का कन्सलटेन्ट से राय लेकर श्रमिकों की सुरक्षा के सभी उपाय किये जायेंगे जिसमें दस्ताने, हेल्मेट, बूट आदि दिये जायेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरे लगा कर सुरक्षा की निगरानी की जायेगी।
9. श्री कमल जिन्दल, सितारगंज ने कहा कि उद्योग स्थापित होना क्षेत्र के लिए बहुत अच्छी बात है परन्तु उद्योगों द्वारा सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया जाता है जिससे दुर्घटना होने की सम्भावना रहती है तथा श्रमिकों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। अतः उद्योग प्रबन्धकों को सुरक्षा उपायों को व्यवहार में लाना चाहिये। उद्योग प्रतिनिधि ने कहा कि जैसा कि अवगत कराया जा चुका है कि उद्योग श्रमिक सुरक्षा के लिए सभी सम्भव उपाय करने के लिए कृत संकल्प है।
10. श्री भोपाल सिंह बौरा, ग्राम प्रधान कल्याणपुर, ने कहा कि उद्योग लगने से भूजल प्रदूषित होने की सम्भावना है इसके लिए उद्योग द्वारा क्या व्यवस्था की जायेगी तथा ट्रांसपोर्टेशन में स्थानीय ट्रांसपोर्टों की भी भागीदारी की जानी चाहिये। उद्योग प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि जैसा कि पूर्व में अवगत कराया जा चुका है एवं स्लाइड शो से भी उद्योग जीरो डिस्चार्ज वेस्ड है। उद्योग में जल प्रदूषण नियंत्रण हेतु आधुनिक तकनीक आधारित ईटीपी लगाया जायेगा किसी प्रकार का प्रदूषित पानी उद्योग द्वारा भूगर्भ में नहीं निस्तारित किया जायेगा। अतः भूजल प्रदूषित होने की कोई सम्भावना नहीं है। जहाँ तक ट्रांसपोर्टेशन की बात है उद्योग इसका ध्यान रखेगा।
11. श्री राजकुमार, ग्राम कुकरोली, ने कहा कि उनका गांव सिडकुल के बिल्कुल करीब है और वह सिडकुल में उद्योग लगने से बहुत खुश है। इनमें स्थानीय ग्रामवासियों को रोजगार भी मिला है। परन्तु उद्योगों द्वारा अपने यहां प्रदूषण नियंत्रण हेतु की व्यवस्थाओं को समुचित रूप से चलाया नहीं जाता। उद्योगों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए। उद्योग प्रतिनिधि ने अवगत कराया कि उनके उद्योग द्वारा परियोजना में ही जल/वायु एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण हेतु व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने हेतु बजट का प्राविधान किया गया है एवं उनका उद्योग इस


बात का पूरा ध्यान रखेंगा, कि प्रदूषण नियंत्रण हेतु सरकार द्वारा जो भी मानक बनाये गये हैं, उनका अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

12. श्री संजय बछाड़, ग्राम प्रधान रूद्रपुर, ने कहा कि सिडकुल के समीप कई गांव पडते हैं उद्योगों को गांवों में साफ सफाई कराये जाने के लिए भी प्रयास करने चाहिये। स्थानीय एवं जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर विकास संबंधी कार्य भी करने चाहिये जिससे क्षेत्र में सौहार्द पूर्ण औद्योगिक वातावरण बना रहे। उद्योग प्रतिनिधि ने अवगत कराया कि उनका उद्योग में सामुदायिक कार्यों के लिए अलग से बजट की व्यवस्था की गयी है एवं उनका उद्योग जन सहभागिता से इन कार्यों को करायेगा। उन्होंने कहा कि वह ग्राम प्रधान की बातों से सहमत हैं एवं जन प्रतिनिधियों से निरन्तर संवाद बनाये रखा जायेगा।

13. अन्त में अपर जिलाधिकारी, नजूल व क्षेत्रीय अधिकारी (प्र०) द्वारा मंच से पुनः उपस्थित जन समूह से अपनी आपत्तियों, सुझाव व टीका टिप्पणी, व्यक्त करने की पुनः अपेक्षा की गयी तथा बोर्ड के कार्मिक से लाउडस्पीकर लेकर जनता के बीच जा कर आपत्तियों, सुझाव, व टीका टिप्पणी, लेने हेतु निर्देश दिया गया। बोर्ड के कार्मिक द्वारा निर्देश का अनुपालन करते हुये जनता के बीच जा कर उक्त के संबंध में अपेक्षा की गयी। उक्त विचारों के अतिरिक्त सुनवाई के दौरान कोई मोखिक अथवा लिखित आपत्ति प्राप्त नहीं हुयी।

14. अन्त में अपर जिलाधिकारी, (नजूल) उधमसिंहनगर द्वारा उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए लोक सुनवाई का समापन किया गया।

  
(आशीष भट्टगाँई)  
क्षेत्रीय अधिकारी(प्र०)

  
(आशीष भट्टगाँई)  
अपर जिलाधिकारी (नजूल)  
उधमसिंह नगर

